

---

# Shastridhyanashlokani

शास्त्रध्यानश्लोकानि

## Document Information

---

Text title : shAstRidhyAnashlokAni

File name : shAstRidhyAnashlokAni.itx

Category : deities\_misc, ayyappa, dhyAnam

Location : doc\_deities\_misc

Transliterated by : PSA Easwaran

Proofread by : PSA Easwaran

Description-comments : Devi book stall, Kodumgallur, Kerala

Source : Sthothra Rathnaakaram, edited by N. Bappuravu, 2010

Latest update : July 10, 2021

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

July 10, 2021

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Shastridhyanashlokani

---

### शास्त्रध्यानश्लोकानि

---



शुभूतश्यामधामा भक्षिमयविलसत्कुण्डलोवलासिवङ्गं  
उस्ताभ्यां दक्षमात्रोत्पलमितरभुञ्जं वामजानूपरिस्थम् ।  
बिभ्रत्पद्मासनस्थः परिकलिततनुर्योगपट्टेन जुष्टः  
श्रीपूष्पापुष्कलाभ्यां पुरउरमुरजित्पुत्रकः पातु शास्ता ॥ १ ॥

तेजोमण्डलमध्यगं त्रिनयनं दिव्याम्बरालङ्कृतं  
द्वयं पुष्पशरेक्षुयापविलसन्माण्डिक्यपात्राभयम् ।  
बिभ्राणं करपङ्कजैर्मदगजस्कन्धाधिरुद्धं विभुं  
शास्तारं शरणं नमामि सततं त्रैलोक्यसम्मोहनम् ॥ २ ॥  
तमालश्यामलं भद्रं पिङ्गलाकल्पसुन्दरम् ।  
अधिजयकार्मुकं वन्दे सत्यमव्यक्तयौवनम् ॥ ३ ॥

सुश्यामलकोमलविशालतनुं विचित्रं  
वासोवसानमरुणोत्पलदामलस्तम् ।  
उत्तुङ्गरत्नमकुटं कुटिलाग्रकेशं  
शास्तारमिष्टवरदं शरणं प्रपद्ये ॥ ४ ॥

इति शास्त्रध्यानश्लोकानि समाप्ता ।

Proofread by PSA Easwaran

---

Shastridhyanashlokani

pdf was typeset on July 10, 2021

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

